प्राचार्य की कलम से .....

नमस्कार,

प्राचार्य डॉ सुधा जैन

राजकीय महाविद्यालय, मावली सत्र 2021–22 में अपनी प्रगति के क्रमिक चतुर्थ सोपान में प्रवेश कर चुका है। 2018 में अपने प्रतिष्ठान के साथ ही यह संस्थान तैत्तिरीय उपनिषद् में प्रस्तुत 'सत्यम् ज्ञानम् अनन्तम्' के ध्येय वाक्य को लोगो के रूप में धारण किये हुए है, जो परब्रह्म के स्वरूप को द्योतित करता है। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति का उद्देश्य आजीविकोपार्जन से अधिक अपने मूल स्वरूप की पहचान तथा संसार में अपने कर्तव्यों के निष्ठापूर्वक निर्वहन से जुड़ा हुआ है। यह महाविद्यालय इस आर्दश को हृदयंगम करता हुआ विद्यार्थियों में आलोचनात्मक बुद्धि के विकास के साथ–साथ समाज में उनके दायित्व बोध तथा उनमें कौशल विकास द्वारा उपयुक्त कर्मलक्ष्य की ओर उन्मुख कर उन्हें सन्तुष्ट व समर्पित नागरिक बनाने के लक्ष्य हेतु प्रतिबद्ध है। इस अभूतपूर्व यात्रा में मैं प्राचार्य तथा यह महाविद्यालय परिवार आप सभी विद्यार्थियों का स्वागत तथा हार्दिक अभिनन्दन करता है ....